समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Saturday, 19 September 2026

वर्ली आर्ट गैलरी के 21 साल पूरे : कलाकारों और कला माध्यमों के संगम से सजेगा जश्न, रचनात्मकता का अनोखा उत्सव

Publisher

Published on 06 Nov 2025

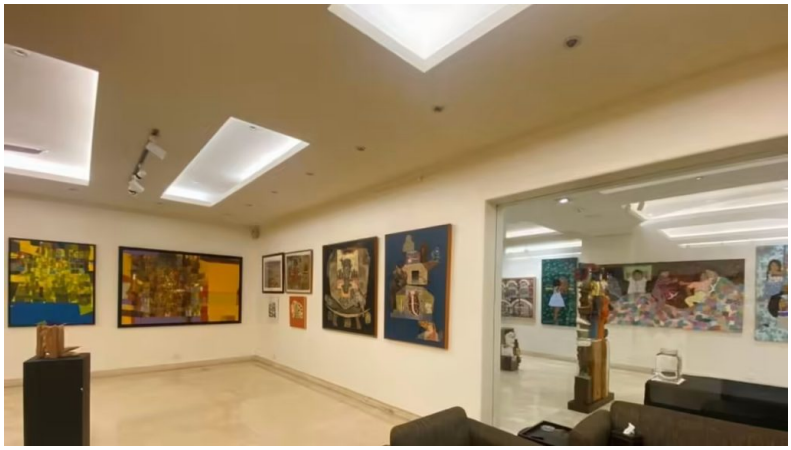

भारत की सांस्कृतिक राजधानी कही जाने वाली मुंबई एक बार फिर कला और सृजन के रंगों में रंगने जा रही है। वर्ली की प्रतिष्ठित **वर्ली आर्ट गैलरी** अपनी स्थापना के **21 वर्ष** पूरे होने का जश्न एक विशेष कला प्रदर्शनी के साथ मनाने जा रही है। इस आयोजन की खासियत यह है कि इसमें न केवल भारत के जाने-माने कलाकार शामिल होंगे, बल्कि अलग-अलग माध्यमों में काम करने वाले रचनाकारों को एक साथ लाकर "कला के संगम" का अनोखा अनुभव दिया जाएगा।

इस प्रदर्शनी का थीम है — "**Pairing Artists and Mediums**" यानी कलाकारों और माध्यमों का मेल। इस विचार के तहत आयोजकों ने यह तय किया है कि पारंपरिक और आधुनिक कला के बीच एक संवाद स्थापित किया जाए। जैसे— एक पेंटर को एक मूर्तिकार के साथ जोड़ा जाएगा, या एक डिजिटल आर्टिस्ट को फोटोग्राफर के साथ मिलकर एक नई कलाकृति तैयार करनी होगी। इसका उद्देश्य यह दिखाना है कि कला का कोई एक चेहरा नहीं, बल्कि वह तब सबसे सुंदर होती है जब विभिन्न रूप मिलकर उसे गहराई देते हैं।

गैलरी के निदेशक ने बताया कि बीते दो दशकों में वर्ली आर्ट गैलरी न केवल मुंबई बल्कि देश की कला दुनिया में एक महत्वपूर्ण मंच बन चुकी है। "यह गैलरी नई प्रतिभाओं को मंच देने के साथ-साथ स्थापित कलाकारों के लिए भी प्रयोगात्मक स्पेस बन गई है," उन्होंने कहा। "हम चाहते हैं कि हमारी 21वीं वर्षगांठ पर कला के माध्यम से संवाद और सहयोग का एक नया अध्याय शुरू हो।"

प्रदर्शनी में भारत के अलग-अलग हिस्सों से आए कलाकारों की भागीदारी होगी — जिनमें समकालीन कलाकार, शिल्पकार, इंस्टॉलेशन आर्टिस्ट और डिजिटल क्रिएटर्स शामिल हैं। दर्शक यहां पारंपरिक वॉटरकलर पेंटिंग्स से लेकर 3D इंस्टॉलेशंस और AI-बेस्ड आर्टवर्क तक, कला के कई आयामों का अनुभव कर सकेंगे।

एक दिलचस्प पहल के तहत, इस बार '**Art Conversations**' नाम से एक इंटरैक्टिव सेशन भी आयोजित किया जा रहा है,

जिसमें कलाकार और दर्शक आमने-सामने बातचीत कर सकेंगे। इससे कला को समझने और उसकी प्रेरणा को जानने का अवसर मिलेगा। आयोजकों का कहना है कि यह पहल कला को “elitist space” से निकालकर आम जनता के करीब लाने का प्रयास है।

गैलरी के एक प्रमुख क्यूरेटर ने बताया, “कला सिर्फ देखने या सराहने की चीज़ नहीं है, यह समाज का आईना है। आज जब डिजिटल और एआई आधारित रचनाएं कला के क्षेत्र में नया आयाम खोल रही हैं, तो पारंपरिक कला रूपों के साथ उनका संवाद बेहद जरूरी है। इसी सोच से यह प्रदर्शनी तैयार की गई है।”

वर्ली आर्ट गैलरी की स्थापना 2004 में हुई थी और तब से यह मुंबई के कला प्रेमियों के लिए एक प्रमुख आकर्षण रही है। यहां अब तक 500 से अधिक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कलाकार अपनी कला प्रस्तुत कर चुके हैं। गैलरी ने भारत में समकालीन कला को एक नया आयाम दिया है और कई उभरते कलाकारों को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाई है।

21वीं वर्षगांठ के इस मौके पर आयोजित प्रदर्शनी में संगीत और नृत्य प्रस्तुतियों का भी समावेश किया गया है, ताकि कला को बहुआयामी रूप में दिखाया जा सके। इसके अलावा, युवा कलाकारों के लिए “कला में नवाचार” पर एक विशेष वर्कशॉप भी आयोजित की जाएगी।

मुंबई में वर्ली आर्ट गैलरी का यह आयोजन न केवल कला प्रेमियों के लिए सौगात है, बल्कि शहर की सांस्कृतिक धारा को और समृद्ध करने वाला है। इस कार्यक्रम से यह संदेश भी जाता है कि तकनीक के दौर में भी कला की आत्मा जिंदा है — और जब परंपरा और नवाचार साथ आते हैं, तो सृजन की शक्ति कई गुना बढ़ जाती है।

कला समीक्षकों का मानना है कि इस तरह की पहलें मुंबई को विश्व कला मानचित्र पर और मज़बूती से स्थापित कर रही हैं। आने वाले समय में गैलरी की योजना अंतरराष्ट्रीय कलाकारों के साथ “ग्लोबल आर्ट एक्सचेंज” कार्यक्रम आयोजित करने की भी है।

वर्ली आर्ट गैलरी की 21वीं वर्षगांठ पर यह प्रदर्शन सिर्फ एक उत्सव नहीं, बल्कि भारतीय कला जगत के विकास की कहानी भी है — एक ऐसी कहानी जो हर ब्रश स्ट्रोक और हर रंग में आधुनिक भारत की रचनात्मक आत्मा को दर्शाती है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.